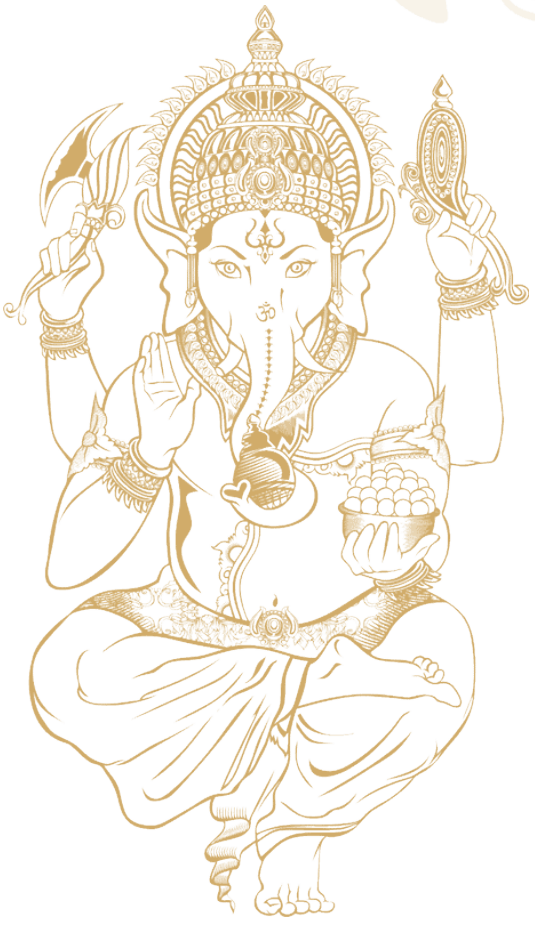

# Kartik Kumar

15 Nov 2024

12:08 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121001603

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **15/11/2024** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **12:08:00 घंटे** |
| इष्ट | 15:03:11 घटी |
| **स्थान** | **Gaya** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 24:48:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:00:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:10:00 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 12:18:00 घंटे |
| वेलान्तर | 00:15:24 घंटे |
| साम्पातिक काल | 15:57:23 घंटे |
| सूर्योदय | 06:06:43 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:02:36 घंटे |
| दिनमान | 10:55:53 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 29:11:10 तुला |
| लग्न के अंश | 25:41:49 मकर |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मकर - शनि |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **भरणी - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | वरियान |
| करण | विष्टि |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गज |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | ले-लेखपाल |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मक | 25:41:49 | 438:01:02 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | --- |
| सूर्य | | | तुला | 29:11:10 | 01:00:25 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | सूर्य | नीच राशि |
| चंद्र | | | मेष | 20:34:14 | 14:58:35 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | गुरु | सम राशि |
| मंगल | | | कर्क | 09:05:36 | 00:14:57 | पुष्य | 2 | 8 | चंद्र | शनि | शुक्र | नीच राशि |
| बुध | | | वृश्चि | 21:33:25 | 01:03:56 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | सूर्य | सम राशि |
| गुरु | व | | वृष | 24:56:34 | 00:06:40 | मृगशिरा | 1 | 5 | शुक्र | मंगल | राहु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | धनु | 09:58:30 | 01:11:21 | मूल | 3 | 19 | गुरु | केतु | शनि | सम राशि |
| शनि | व | | कुंभ | 18:29:20 | 00:00:02 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | मूलत्रिकोण |
| राहु | व | | मीन | 11:30:49 | 00:05:24 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | चंद्र | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 11:30:49 | 00:05:24 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | मंगल | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 01:06:51 | 00:02:30 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | राहु | --- |
| नेप | व | | मीन | 03:04:18 | 00:00:45 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | --- |
| प्लूटो | | | मक | 05:43:04 | 00:00:58 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | बुध | --- |
| दशम भाव | | | वृश्चि | 07:15:37 | -- | अनुराधा | -- | 17 | मंगल | शनि | बुध | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:13

## लग्न-चलित

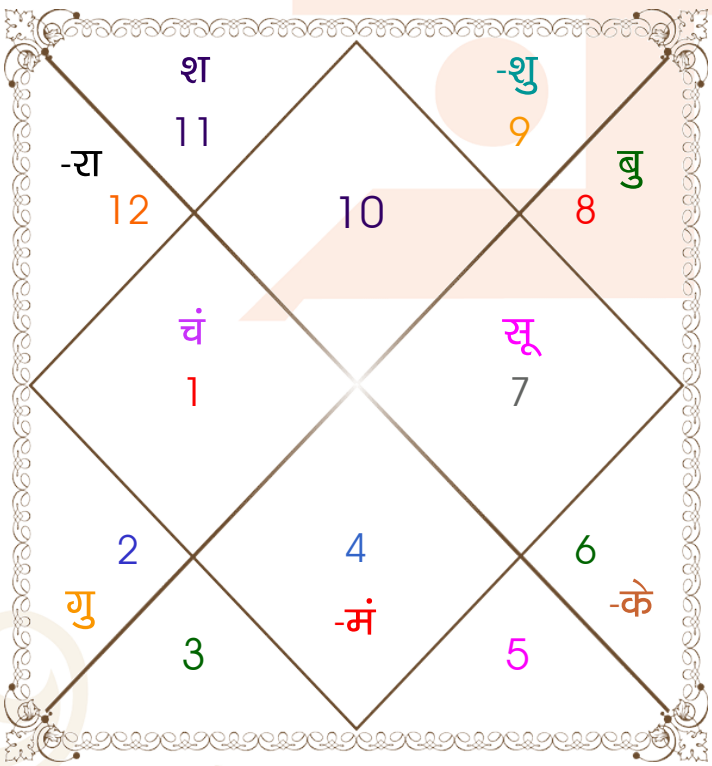


## चन्द्र कुंडली

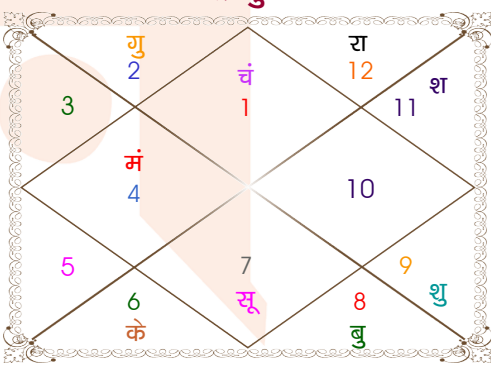


## नवमांश कुंडली

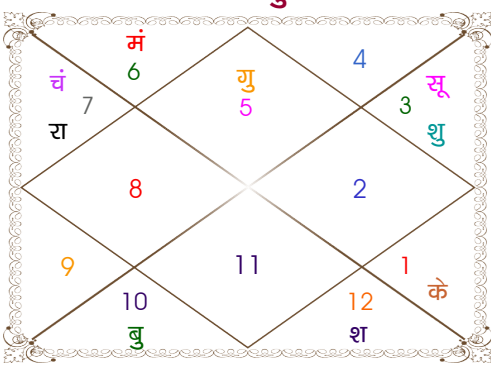

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 1 मास 22 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/11/2024 | | 07/01/2034 | | 07/01/2040 | | 07/01/2050 | | 07/01/2057 | |
| 07/01/2034 | | 07/01/2040 | | 07/01/2050 | | 07/01/2057 | | 07/01/2075 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 26/04/2034 | चंद्र | 07/11/2040 | मंगल | 05/06/2050 | राहु | 20/09/2059 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 26/10/2034 | मंगल | 08/06/2041 | राहु | 24/06/2051 | गुरु | 12/02/2062 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 03/03/2035 | राहु | 08/12/2042 | गुरु | 29/05/2052 | शनि | 19/12/2064 |
| | 00/00/0000 | राहु | 26/01/2036 | गुरु | 08/04/2044 | शनि | 08/07/2053 | बुध | 09/07/2067 |
| | 15/11/2024 | गुरु | 13/11/2036 | शनि | 07/11/2045 | बुध | 05/07/2054 | केतु | 26/07/2068 |
| गुरु | 07/11/2026 | शनि | 26/10/2037 | बुध | 08/04/2047 | केतु | 02/12/2054 | शुक्र | 27/07/2071 |
| शनि | 07/01/2030 | बुध | 01/09/2038 | केतु | 08/11/2047 | शुक्र | 01/02/2056 | सूर्य | 20/06/2072 |
| बुध | 07/11/2032 | केतु | 07/01/2039 | शुक्र | 08/07/2049 | सूर्य | 08/06/2056 | चंद्र | 20/12/2073 |
| केतु | 07/01/2034 | शुक्र | 07/01/2040 | सूर्य | 07/01/2050 | चंद्र | 07/01/2057 | मंगल | 07/01/2075 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 07/01/2075 | | 07/01/2091 | | 08/01/2110 | | 08/01/2127 | | 08/01/2134 | |
| 07/01/2091 | | 08/01/2110 | | 08/01/2127 | | 08/01/2134 | | 00/00/0000 | |
| गुरु | 24/02/2077 | शनि | 10/01/2094 | बुध | 06/06/2112 | केतु | 06/06/2127 | शुक्र | 09/05/2137 |
| शनि | 08/09/2079 | बुध | 19/09/2096 | केतु | 03/06/2113 | शुक्र | 05/08/2128 | सूर्य | 10/05/2138 |
| बुध | 14/12/2081 | केतु | 29/10/2097 | शुक्र | 03/04/2116 | सूर्य | 11/12/2128 | चंद्र | 08/01/2140 |
| केतु | 19/11/2082 | शुक्र | 30/12/2100 | सूर्य | 07/02/2117 | चंद्र | 12/07/2129 | मंगल | 10/03/2141 |
| शुक्र | 20/07/2085 | सूर्य | 11/12/2101 | चंद्र | 10/07/2118 | मंगल | 08/12/2129 | राहु | 09/03/2144 |
| सूर्य | 09/05/2086 | चंद्र | 13/07/2103 | मंगल | 07/07/2119 | राहु | 27/12/2130 | गुरु | 16/11/2144 |
| चंद्र | 08/09/2087 | मंगल | 21/08/2104 | राहु | 23/01/2122 | गुरु | 03/12/2131 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 14/08/2088 | राहु | 28/06/2107 | गुरु | 30/04/2124 | शनि | 11/01/2133 | | 00/00/0000 |
| राहु | 07/01/2091 | गुरु | 08/01/2110 | शनि | 08/01/2127 | बुध | 08/01/2134 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 1 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकते हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकते हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकते हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकते हैं।

आपकी पत्नी आपकी सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगी। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगे बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगे। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगे। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगे।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वास्थ्य प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकते हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करते हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।